Q. औद्योगिक क्रांति का अर्थ बताइए। औद्योगिक क्रांति के कारणों को स्पष्ट कीजिए (Industrial Revolution. Describe the causes of Industrial Revolution.)

Ans अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में जिस औद्योगिक क्रांति का जन्म और विकास हुआ, उसने पहले इंग्लैंड के निवासियों के जीवन में क्रांति पैदा की और उसके बाद समस्त विश्व को अपनी चपेट में लेकर वस्तु-उत्पादन, खेती, यातायात और शिल्प-उद्योगों के साधनों व संस्थाओं में नवीन, मौलिक और क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया।

सीफेलर पोल ने इस सम्बंध में लिखा है कि औद्योगिक क्रांति से उत्पादन-व्यवस्था बिल्कुल बदल गई। जिसके फलस्वरूप समकालीन अनेक वर्गीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संघर्ष आरंभ हुए; जिनका आधुनिक देशों के आन्तरिक और विदेश नीतियों पर बड़ा महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा; एवं जिनके कारण आधुनिक जगत की अनेक जटिल व विस्फोटक राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक समस्याओं और व्यवस्थाओं का प्रादुर्भाव हुआ- इन्हीं सब को सम्मिलित रूप में 'औद्योगिक क्रांति' (Industrial Revolution) कहते हैं। इसे 'यांत्रिक क्रांति' भी कहा जाता है।

कहा जाता है कि 'औद्योगिक क्रांति' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम अर्नोल्ड टायनबी ने सन 1884 में किया था। कई बार यह सुझाव भी दिया गया कि इंग्लैण्ड में होने वाले इन परिवर्तनों के लिए 'क्रांति' की अपेक्षा 'उद्विकास' (evolution) शब्द का प्रयोग ही अधिक उचित लगता है क्योंकि इस परिवर्तन ने इंग्लैण्ड की शिल्प-पद्धति को पूर्णतया बदल कर रख दिया और हाथ से छोटे-छोटे कारखानों में किये जाने वाले उत्पादन इकाइयों का स्थान मशीनों द्वारा चलने वाले कारखानों ने लिया। इस बात की निम्नलिखित विवरण में और भी स्पष्ट हो जाएगी।

औद्योगिक क्रांति का अर्थ एवं परिभाषाएं (Meaning and Definitions of Industrial Revolution) औद्योगिक क्रांति शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग सन 1884 में अर्नोल्ड टायनबी। किन्तु वास्तव में इसका प्रयोग सन 1837 में ही फ्रांसीसी लेखक ब्लांकी ने किया और बाद में जेवन्स, इन्जेल्स तथा कार्ल मार्क्स ने प्रयोग किया।

सन् 1750 से 1850 के बीच ब्रिटिश उद्योग में इतने महान परिवर्तन हुए कि इन परिवर्तनों के लिए औद्योगिक क्रांति शब्द प्रयोग में लाया गया। औद्योगिक क्रांति शब्द का प्रयोग अधिक उत्पादन एवं माप की शक्ति के लिए किया गया। मूलतः औद्योगिक क्रांति का अर्थ अनेक श्रम संचयी उपाय एवं मशीनों का उत्पादन विधियों में प्रयोग करने से है।

प्रोफेसर स्ट्रांग (Strong) के शब्दों में "वास्तव में औद्योगिक क्रांति से हमारा तात्पर्य केवल आर्थिक क्रियाओं व संस्थानों में होने वाले परिवर्तनों से ही नहीं है, अपितु इन क्रियाओं व संस्थानों में आगे चलकर इंग्लैंड तथा अन्य देशों में भी उन्नति हुई है और जो अनेक महान सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक परिणाम सामने आये, इन सब को भी शामिल करना चाहिए। इस व्यापक अर्थ में 'औद्योगिक क्रांति' अब भी जारी है। 'औद्योगिक क्रांति कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, इसका धीरे-धीरे विकास हुआ एवं यह विकास अब भी जारी है।"

रॉबर्टसन (Robertson) के अनुसार "औद्योगिक क्रांति के अन्तर्गत अन्तः सम्बंधित परन्तु पृथक् किये जा सकने वाले कारकों व दशाओं का एक सम्मिलन आ जाता है, जैसे औद्योगिक क्षेत्र में नये आविष्करण और परिवर्तन, महान अन्वेषण व अन्वेषक, यातायात और संचार में परिवर्तन, घेराबन्दी आन्दोलन का प्रारंभ, अर्थशास्त्र, मुद्रा एवं विनिमय, नये-नये सिद्धान्तों का विकास, मजदूरी एवं मूल्यों में हेर-फेर, पूंजीवाद एवं औद्योगिक श्रमिक-वर्ग का जन्म, श्रमिक संगठनों का प्रादुर्भाव, निर्धनता-उन्मूलन के विधान और केन्द्रीय तथा स्थानीय-शासन के नये सिद्धान्तों का प्रचलन आदि महत्वपूर्ण विकास सम्मिलित किये जा सकते हैं।"

कुछ विद्वानों का मत है कि औद्योगिक क्रांति के स्थान पर 'औद्योगिक विकास' कहना ज्यादा उचित होगा किन्तु उस काल में उत्पादन वृद्धि तथा माप के प्रयोग से परिवर्तन इतनी तीव्र गति से हुए कि जीवन व कार्य के अनेक पक्ष- वितरण एवं उत्पादन, राजनीतिक तथा आर्थिक दृष्टिकोण, जनसंख्या की गतिशीलता एवं वित्त व्यवस्था पर काफी प्रभाव पड़ा जिसके कारण इसके लिए औद्योगिक क्रांति शब्द का प्रयोग हुआ। औद्योगिक के पूर्व इंग्लैंड भी एक कृषि प्रधान देश था किन्तु औद्योगिक क्रांति के बाद यहां पर उद्योग-धन्धों का तीव्र विकास होने लगा। उत्पादन प्रक्रिया में मशीन का प्रयोग होने लगा। भाप शक्ति का प्रयोग उत्पादन प्रक्रिया में किया जाने लगा जिनके कारण

उत्पादन तीव्र होने लगा, गृह उद्योग का विनाश हुआ तथा उनके स्थान पर कारखानों का प्रयोग होने लगा। पूंजी और श्रम के संसाधन / सम्बंध में परिवर्तन आया। पूंजीपतियों का उद्योग पर नियंत्रण हो गया तथा श्रमिक उनके आदेशों के अधीन कार्य करने लगे। बड़े स्तर पर उत्पादन होने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार प्रारंभ हुआ। इन परिवर्तनों ने इंग्लैंड की अर्थव्यवस्था का स्वरूप ही बदल गया। जिस नवीन औद्योगिक प्रणाली की उत्पत्ति इंग्लैंड में हुई वह विश्व के अन्य देशों में फैल गयी।

औद्योगिक क्रांति के कारण (Causes of Industrial Revolution)

कई बार यह प्रश्न किया जाता है कि सब देशों से पहले इंग्लैंड में ही यह औद्योगिक क्रांति क्यों हुई? इसके कई कारण थे जिन्हें प्रोफेसर महाजन, प्रोफेसर पोल तथा अन्य विद्वानों ने निम्न रूप से समझाने का प्रयास किया है

(1) यूरोप के अन्य देशों के विपरीत इंग्लैंड में लोगों के विचार और भाषण की स्वतंत्रता थी, अतः वहां नये-नये परीक्षण किये जाने संभव थे। साथ ही उन दिनों इंग्लैंड में पहले से ही तकनीकि विज्ञान और अध्ययन का काफी विकास हो रहा था, अतः इससे अनुसंधानकर्ताओं के नवीन आविष्कारों के उद्भव में काफी मदद या प्रोत्साहन मिला।

(2) व्यापार का अत्यधिक वृद्धि के कारण इंग्लैंड के पास पर्याप्त धन था, जिसके कारण अनुसंधान के नये-नये परीक्षण व प्रयोग करने के काम में कभी भी अधिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा। इससे आविष्कारों के नये-नये आयाम खुलते गये।

(3) सरकार किसी वस्तु को किसी निश्चित ढंग से ही तैयार करने के सम्बंध में कोई अनुचित प्रतिबंध नहीं लगाती थी, जिसके कारण इंग्लैंड के लोग भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उत्पादन करने के नये-नये ढंगों के विषय में सोच सकते थे और आवश्यकता पड़ने पर नये-नये परीक्षण भी कर सकते थे अतः आश्चर्य नहीं है कि देश में भारी संख्या में नये यन्त्रों का आविष्कार किया गया।

(4) औद्योगिक आविष्कारों का प्रारंभ सर्वप्रथम वस्त्र-उद्योग में हुआ, क्योंकि उन दिनों इंग्लैंड वस्त्र-उद्योग में सबसे आगे था। कपड़ों की खपत अत्यधिक होने, उसकी तुलना में श्रमिकों की कमी का अनुभव करने हथकरघा द्वारा बहुत कम उत्पादन होने आदि कारणों से अंग्रेज-अनुसंधानकर्ताओं का ध्यान सर्वप्रथम वस्त्र उत्पादन की वृद्धि की ओर आकृष्ट हुआ। और इसी क्षेत्र में नवीन आविष्कारों व यन्त्रों का विकास हुआ।

(5) इंग्लैंड में लोहे और कोयले की खानें एक दूसरे के निकट पाई जाती

थी। ये दोनों ही उद्योग-धन्धे के विकास में सहायक थी। साथ ही औद्योगिक क्रांति से पूर्व कृषि के क्षेत्र में क्रांति हो चुकी थी, जिसके परिणामस्वरूप खेती-बाड़ी करने वाले किसान भारी संख्या में बेकार हो चुके थे।

अतः उन्हें कारखानों में उत्पादन-कार्य में लगाना सरल था। साथ ही देश में पर्याप्त धन भी उपलब्ध था और राजनीतिक सुरक्षा भी। ये सभी स्थितियाँ देश के उद्योग-धंधों के विकास में सहायक सिद्ध हुई।

(6) उस समय इंग्लैंड के उपनिवेश अन्य अनेक देशों में फैले हुए थे और इंग्लैंड की सामुद्रिक शक्ति भी बहुत उन्नतशील थी। इन दोनों कारणों से इंग्लैंड के कारखानों के मालिक अपने कारखानों के लिए इन देशों से न केवल कच्चा माल ही मंगवा सकते थे, अपितु कारखानों में तैयार हुए सामान को बिक्री के लिए भी वहाँ भेज सकते थे। इन सब कारणों से भी औद्योगिक क्रांति के अनुकूल वातावरण पैदा हो गया।

अतः इन सारे कारण औद्योगिक क्रांति होने के थे। और सारे चीजों की उपलब्धता सर्वप्रथम इंग्लैंड में ही पर्याप्त था।

समाप्त